जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Bloody History Played And Replayed

After the Ottomans had hanged the last *Mamluk sultan* in 1517, the loss of the *Mamluks* was universally lamented in Egypt, and many minor Mamluk functionaries remained to manage the Turks' new province.

THE REIMAGINED PALACE ATELIER

सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी की प्रथम बैठक सम्पन्न

कांग्रेस 250 से 300 सीटों पर ही उम्मीदवार खड़ा करेगी। इतनी कम सीटों पर कांग्रेस अपने इतिहास में कभी नहीं लड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मार्च। सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी (सी.ई.सी.) की पहली मीटिंग आज देर शाम हो रही है जिसमें 10 राज्यों की केवल 60 लोकसभा सीटों के प्रत्याशी घोषित करने पर चर्चा की जाएगी।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अपने अस्तित्व से लेकर अब तक सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

कांग्रेस "इण्डिया" गठबंधन का हिस्सा है और जिन राज्यों में गठबंधन हो चुका है वहां वह एक जूनियर पार्टनर की भूमिका में होगी।

कांग्रेस पश्चिम बंगाल से तृणमूल के साथ गठबंधन की उम्मीद में है पर यहां अभी दरवाजा आधा ही खुला है, जबकि अन्य राज्यों में गठबंधन एक तरह से पक्का हो गया है। अनुमान है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 250 से 300 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सबसे बड़े हिंदी भाषी राज्य उत्तर प्रदेश की कुल 80 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस सिर्फ 17 पर ही चुनाव लड़ रही है। यह निर्णय समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में गठबंधन की सहयोगी पार्टियों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया है।

- **यू.पी. की 80 सीटों में से कांग्रेस केवल 17 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करेगी, और 17 सीटें कौन सी होंगी, यह निर्णय वरिष्ठ पार्टनर सपा लेगी।**
- **बिहार की चालीस सीटों में से कांग्रेस केवल आठ-नौ सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इन नौ सीटों का चयन भी राज्य में सीनियर पार्टनर आर.जे.डी. करेगी।**
- **महाराष्ट्र की 48 सीटों में से केवल 17 से 20 सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी खड़ा करेगी।**
- **दिल्ली की सात संसदीय सीटों में से केवल तीन पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी और बाकी चार सीटों पर आप अपने उम्मीदवार उतारेगी।**
- **तमिलनाडू में 39 सीटों में से कांग्रेस 9 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करेगी।**

बिहार की कुल 40 सीटों में से कांग्रेस यहां के अपने सीनियर पार्टनर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा तय की गई 8 या 9 सीटों पर ही चुनाव लड़ेगी। इस पर विचार-विमर्श अब तक शुरु नहीं किया गया है।

महाराष्ट्र की कुल 48 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस के 17 से 24 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। पर इसके बारे में भी अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

दिल्ली की कुल 7 सीटों में से कांग्रेस को 3 मिली हैं। यहां आम आदमी पार्टी (आप) 4 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस ने हरियाणा, गोवा और गुजरात में "आप" को क्रमशः एक-एक सीट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वायनाड सीट से राहुल गांधी उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली, 7 मार्च। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने वाले हैं। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में कांग्रेस सांसद के वायनाड से चुनाव लड़ने पर मुहर लगी है। राहुल गांधी क्या उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से चुनाव लड़ेंगे इसे लेकर अभी बैठक में कोई फैसला नहीं लिया गया है।

- **कांग्रेस की सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी (सी.ई.सी.) की बैठक में राहुल गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने पर मुहर लगी।**

कांग्रेस का गढ़ कहे जाने वाली उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट पर एक बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.बी.आई. के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

याचिका का उद्देश्य, एस.बी.आई. को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना करने का नोटिस दिलवाना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मार्च। चुनावी सुधार ग्रुप, द एसोसिएशन फोर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए.डी.आर.) ने इलैक्टोरल बॉन्ड्स के ब्यौरे का खुलासा करने के लिए चार माह का समय मांग रहे स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (एस.बी.आई.) के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एक अवमानना याचिका दायर की।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक बैंच के समक्ष एडवोकेट प्रशांत भूषण ने ए.डी.आर. की याचिका पर सुनवाई का अनुरोध किया, जिसके लिए बैंच ने कहा कि याचिका दायर करने की औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद उस पर विचार किया जा सकता है।

- **याचिका में कहा गया है कि, सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को आदेश दिया था कि, एस.बी.आई. इलैक्टोरल बॉण्ड जारी करना बंद करे तथा 6 मार्च तक पूरी जानकारी दे कि, किस कम्पनी ने कितने इलैक्टोरल बॉण्ड खरीदे तथा किस राजनीतिक दल के खाते में जमा कराये हैं।**
- **पर, अवधि पूरी होने से ठीक पहले एस.बी.आई. ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि, उसे 30 जून तक का समय चाहिए इलैक्टोरल बॉण्ड के बारे में यह जानकारी पेश करने के लिये।**
- **याचिका के अनुसार, एस.बी.आई. का 6 मार्च तक जानकारी पेश न करना सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है।**

एस.बी.आई. ने कुछ व्यावहारिक कठिनाईयों का हवाला देते हुए सोमवार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय कर्मचारियों का डी.ए. चार प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 7 मार्च (वार्ता)। सरकार ने केन्द्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का गुरुवार को निर्णय लिया। जिसका लाभ करीब 50 लाख कर्मचारियों और 67.95 लाख पेंशनभोगियों को होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुयी मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

- **केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसका लाभ करीब 50 लाख कर्मचारियों और 67.95 लाख पेंशनभोगियों को मिलेगा।**

बैठक के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महंगाई भत्ता पहले से 46 प्रतिशत है और अब इस बढोतरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में स्कूलों के पाठ्यक्रम में परिवर्तन शुरू किया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मार्च। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले, कर्नाटक सरकार स्कूल शिक्षा के पाठ्यक्रम को भगवा मुक्त करने के लिए स्कूल के विद्यार्थियों की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करके एक और नये विवाद का अखाड़ा बनाना चाहती है, इसको लेकर कांग्रेस ने दावा किया यह कार्य पिछली भाजपा सरकार ने ही किया था।

कक्षा प्रथम से दसवीं तक की कक्षा की पाठ्यपुस्तकों के पाठ्यक्रम में बदलाव को अंतिम रूप दे दिया गया और ये किताबें छपने के लिए भेज दी जाएंगी ताकि इन किताबों का आगामी शिक्षा सत्र से पूर्व विद्यार्थियों में वितरण किया जा सके। सनातन धर्म जैसे शीर्षकों वाली शिक्षा सामग्री पर परेशानी पूर्ण व तीखी बहस होने की संभावना है, इसी समय पड़ौसी राज्य तमिलनाडू में भी बहुत बड़ा विवाद चल रहा है क्योंकि वहां पर डी.एम.के. पार्टी के नेतागण हिन्दू धर्म पर असहिष्णुतापूर्ण टिप्पणियां कर रहे हैं।

- **नये पाठ्यक्रम में भाजपा सरकार द्वारा पाठ्य पुस्तकों व पाठ्यक्रम में किये गये बदलाव को उल्टा किया गया।**
- **इसके साथ ही सनातन धर्म को नये तरीके से परिभाषित करने का प्रयास किया गया है।**
- **जैसा कि विदित ही है, पड़ोसी राज्य तमिलनाडू में डी.एम.के. पार्टी के नेताओं ने सनातन धर्म के खिलाफ एक अभियान सा शुरू कर रखा है।**

इस मामले के बारे में जानकारी रखने वालों के अनुसार कक्षा 8 के इतिहास के पाठ्यक्रम में सनातन धर्म पर एक नया पाठ जोड़ा जाएगा, जिसमें सनातन धर्म की व्याख्या की जाएगी तथा परिभाषित किया जाएगा। पाठ्यपुस्तक के बदलाव के तहत प्रगतिशील लेखकों, जैसे गिरिश कर्नाड, पेरियार व देवानुर महादेव की पुस्तकों को पुनः शामिल किया जाएगा, जिसे पूववर्ती सरकार ने पाठ्यक्रम से हटा दिया था।

विभिन्न पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा करके उन्हें संशोधित किया गया है तथा नयी सामग्री में शामिल विषय संवैधानिक सिद्धांत, मूलभूत कर्त्तव्य, अधिकार व लोकतंत्र पर व्यापक रूप से जोर दिया गया है तथा जैनवाद व बौद्धधर्म पर भी नया पाठ शामिल किया गया है, जम्मू-कश्मीर व नॉर्थ ईस्ट के राजवंशों की सामग्री में कुछ परिवर्तन होने की संभावना है, भाजपा से पूर्व विधायक व पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री अश्वथ नारायण ने खबर है कि यह कहते हुए इस कदम का विरोध किया है कि, कांग्रेस सरकार सतनातन धर्म की शिक्षण सामग्री के साथ छेड़छाड़ कर रही थी।

अश्वथ नारायण ने आलोचना करते हुए कहा कि, "वे संविधान व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार ममता बनर्जी अपने किले में रक्षात्मक मुद्रा में पीछे हटती नजर आयीं

उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कोलकाता में रैली निकाली और मोदी पर जमकर बरसीं। पर, यह प्रयास थोथा नजर आया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मार्च। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने बचाव की जोरदार कोशिश करते हुए, प्रधानमंत्री, कोलकाता हाईकोर्ट न्यायाधीश, जो गुरुवार को भाजपा से जुड़े हैं के खिलाफ तथा संदेशखाली में उनके दल के सदस्यों के ऊपर लगे विवादास्पद आरोपों के विरुद्ध जोरदार मुहिम शुरु कर दी है।

ममता बनर्जी, चतुर राजनीतिज्ञों में से एक हैं, फिर भी संदेशखाली में उनके पार्टी के सदस्यों द्वारा किए गए बुरे कार्यों के आरोपों का उनका खंडन, खोखला लगता है। उन्होंने महिलाओं के कल्याण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के एक दिन पहले गुरुवार को एक रैली का आयोजन किया। उत्तरी कोलकाता से मध्य कोलकाता तक, जल्दबाजी में आयोजित इस रैली में उनकी छाप व आत्मविश्वास नहीं दिखा।

- **पहली बात तो यह थी कि, ममता जी की रैली संदेशखाली में होनी चाहिये थी, जहां महिलाओं पर असहनीय "रेप" व अत्याचार की लगातार घटनाएं हुई हैं। पर, ममता बनर्जी की रैली कोलकाता में पुलिस के संरक्षण में (सैनिटाइज़्ड ज़ोन) में हुई।**
- **जबकि, भाजपा की महिलाओं का धरना व रैली संदेशखाली में आयोजित हुई तथा पुलिस ने पूरा जोर लगाया, रैली को रोकने के लिये व महिलाओं की गिरफ्तारियां भी की।**

उनका खण्डन इसलिए खोखला लगा क्योंकि वह संदेशखाली नहीं गयीं जहां उनके पार्टी के लोगों ने अत्याचार किए थे, वह सिर्फ मध्य कोलकाता के इर्द-गिर्द ही घूमती रहीं।

जिस समय वह, व्यापक पुलिस बंदोबस्त के बीच अपनी कोलकाता रैली का आयोजन कर रही थीं, उस समय उनकी पुलिस, भाजपा के महिला प्रतिनिधि मंडल, जो कि संदेशखाली जाना चाहता था, को रोकने में जुटी हुई थी। स्थानीय टी.वी. चैनल्स ने, दोनों पक्षों के दृश्य साथ-साथ दिखाए, जिससे और दोनों घटनाओं का पारस्परिक विरोधाभास दिखा।

भाजपा महिला प्रकोष्ठ की प्रमुख सदस्यों को जबरन जमीन पर बैठा दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)